an>

Title: Demand to supply subsidized electricity to the Handloom weavers of Uttar Pradesh and also provide basic amenities to them.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): महोदय, देश के विभिन्न राज्यों सहित उत्तर प्रदेश के वाराणसी और जनपद चन्दौली में बुनकर अल्पसंख्यकों की हालत बहुत खराब है। उनमें कुपोषण बढ़ रहा है, उनमें भुखमरी बढ़ रही है और वहां बेरोजगारी के चलते आत्महत्या करने जैसी गंभीर घटनायें उत्पन्न हो रही हैं। हमारे लोहता क्षेत्र में, भिटारी में, धनीपुर में आधा दर्जन गावों में कुपोषण के चलते लगभग दो-तीन बच्चे मर चुके हैं और कुपोषण से सैंकड़ों बच्चे प्रभावित हैं। इसी प्रकार चौराहट में, जनपद चन्दौली के सिमरा में, इसी प्रकार से जलीलपुर में और मढिया में, मिल्कीपुर में जो बुनकर बाहुल्य क्षेत्र है, उनके यहां गरीबी की हालत इतनी है कि उन्हें दो समय का भोजन नहीं मिल पा रहा है। उनके गावों की नालियां जर्जर है, उन्हें शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। रमजान का महीना चल रहा है, अभी हमारे माननीय दारा सिंह चौहान जी ने कहा है।...(व्यवधान) मैं पूरे नौ बजे समाप्त कर दूंगा, बस दो मिनट बचे हैं। मैं एक मिनट में समाप्त कर रहा हूं।

महोदय, बुनकरों की हालत बहुत खराब है। वहां कुपोषण बड़े पैमाने पर फैला हुआ है। वहां भुखमरी है। वहां के बुनकरों की यह हालत है कि उन्हें सूत नहीं मिलता है। वे अपने बिजली के बिल चुकता नहीं कर पा रहे हैं। हमारी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि जैसे किसानों को बिजली दी जाती है, उसी प्रकार से बुनकरों को भी बिजली का बिल दिया जाये। जो बुनकर बाहुल्य गांव हैं, उन गावों का सर्वांगीण विकास किया जाये। वहां पेयजल, सड़क, चिकित्सा और दवा आदि का इन्तजाम किया जाये। मैं आपके माध्यम से सरकार से यही मांग करता हूं। आपने बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।